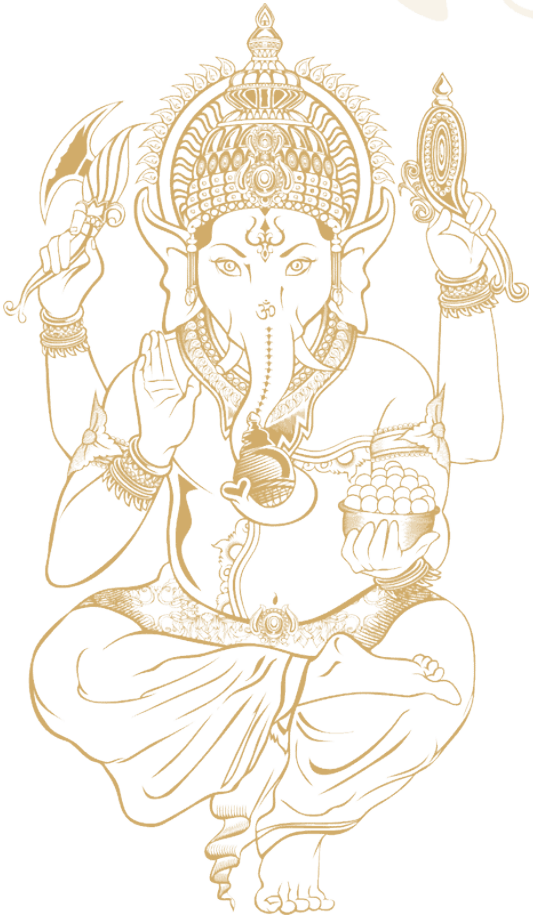

Mr.lokendra sharma

24 Aug 1997

10:45 AM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121309312

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/08/1997**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:45:00 घंटे**
इष्ट	12:03:49 घटी
स्थान	**Bharatpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:24:56 घंटे
वेलान्तर	-00:02:23 घंटे
साम्पातिक काल	08:35:02 घंटे
सूर्योदय	05:55:28 घंटे
सूर्यास्त	18:48:53 घंटे
दिनमान	12:53:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:15:29 सिंह
लग्न के अंश	10:24:41 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:24:41	313:54:00	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	07:15:29	00:57:51	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	26:10:34	13:42:51	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	12:19:48	00:38:04	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	20:28:26	00:36:05	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	21:18:50	00:07:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			कन्या	14:01:07	01:10:58	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	व		मीन	26:06:28	00:02:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	26:02:45	00:00:54	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	26:02:45	00:00:54	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:54:06	00:02:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	03:53:25	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:02:13	00:00:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	12:33:07	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:25

लग्न-चलित

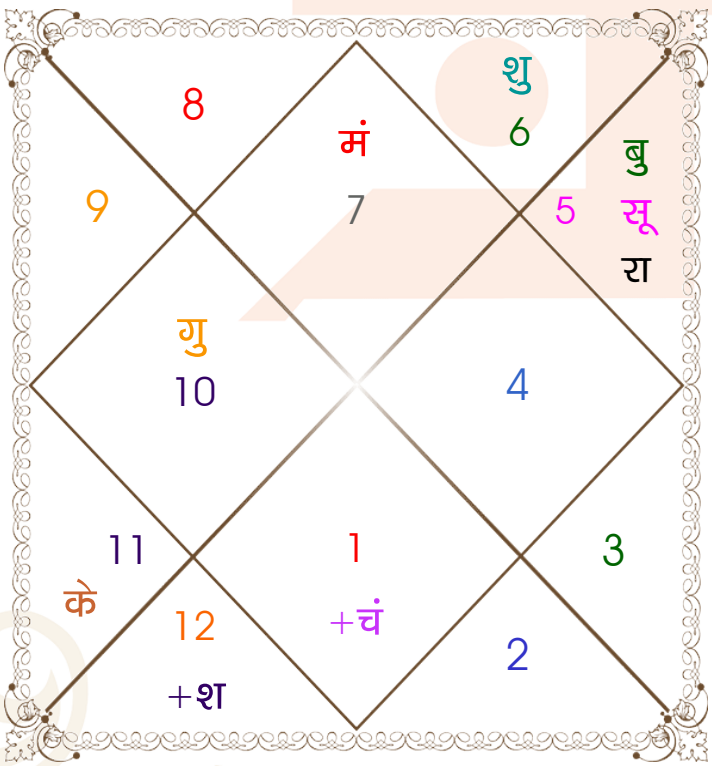

चन्द्र कुंडली

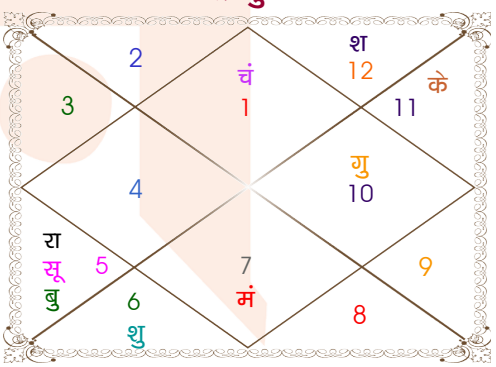

नवमांश कुंडली

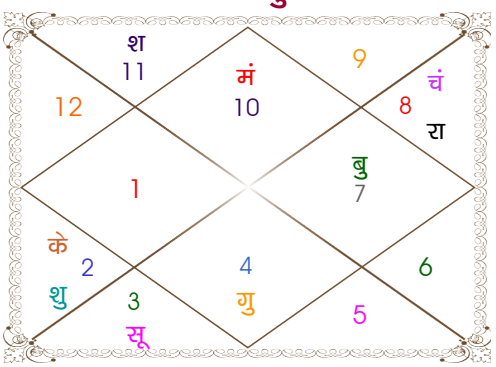

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 8 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/08/1997		20/05/1998		19/05/2004		20/05/2014		19/05/2021	
20/05/1998		19/05/2004		20/05/2014		19/05/2021		20/05/2039	
	00/00/0000	सूर्य	06/09/1998	चंद्र	20/03/2005	मंगल	16/10/2014	राहु	31/01/2024
	00/00/0000	चंद्र	08/03/1999	मंगल	19/10/2005	राहु	03/11/2015	गुरु	25/06/2026
	00/00/0000	मंगल	14/07/1999	राहु	19/04/2007	गुरु	09/10/2016	शनि	01/05/2029
	00/00/0000	राहु	06/06/2000	गुरु	18/08/2008	शनि	18/11/2017	बुध	19/11/2031
	00/00/0000	गुरु	26/03/2001	शनि	20/03/2010	बुध	15/11/2018	केतु	06/12/2032
	00/00/0000	शनि	08/03/2002	बुध	19/08/2011	केतु	13/04/2019	शुक्र	07/12/2035
	00/00/0000	बुध	12/01/2003	केतु	19/03/2012	शुक्र	13/06/2020	सूर्य	31/10/2036
	24/08/1997	केतु	20/05/2003	शुक्र	18/11/2013	सूर्य	18/10/2020	चंद्र	01/05/2038
केतु	20/05/1998	शुक्र	19/05/2004	सूर्य	20/05/2014	चंद्र	19/05/2021	मंगल	20/05/2039

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/05/2039		20/05/2055		20/05/2074		20/05/2091		20/05/2098	
20/05/2055		20/05/2074		20/05/2091		20/05/2098		25/08/2117	
गुरु	07/07/2041	शनि	23/05/2058	बुध	15/10/2076	केतु	16/10/2091	शुक्र	19/09/2101
शनि	18/01/2044	बुध	30/01/2061	केतु	13/10/2077	शुक्र	15/12/2092	सूर्य	19/09/2102
बुध	25/04/2046	केतु	11/03/2062	शुक्र	12/08/2080	सूर्य	22/04/2093	चंद्र	20/05/2104
केतु	01/04/2047	शुक्र	10/05/2065	सूर्य	19/06/2081	चंद्र	21/11/2093	मंगल	20/07/2105
शुक्र	30/11/2049	सूर्य	22/04/2066	चंद्र	18/11/2082	मंगल	19/04/2094	राहु	20/07/2108
सूर्य	18/09/2050	चंद्र	22/11/2067	मंगल	16/11/2083	राहु	08/05/2095	गुरु	21/03/2111
चंद्र	18/01/2052	मंगल	30/12/2068	राहु	04/06/2086	गुरु	13/04/2096	शनि	21/05/2114
मंगल	24/12/2052	राहु	06/11/2071	गुरु	09/09/2088	शनि	22/05/2097	बुध	21/03/2117
राहु	20/05/2055	गुरु	20/05/2074	शनि	20/05/2091	बुध	20/05/2098	केतु	25/08/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 8 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।